दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर
वर्षः 13 - अंक : 48, मुंबई, शुक्रवार, 24 मार्च, 2023, मूल्यः 1 रुपया ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

Ramadan KAREEM

सभी मुस्लिम भाईयों को रमजान की दिली मुबारकबाद !

मानहानि केस में राहुल गांधी को 2 साल की सजा

सूरत कोर्ट से जमानत भी मिली, 2019 में कहा था– सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों

मुंबई हलचल / संवाददाता

सूरत। 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...' इस बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने गुरुवार को दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की जेल की सजा सुनाई और 15 हजार का जुमार्ना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी। साथ ही सजा को 30 दिन के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे। राहुल ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उनके वकील के मुताबिक, 'राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सजा के बाद राहुल बोले- सत्य मेरा भगवान है

प्रियंका गांधी ने कहा- मेरे भाई न कभी डरे हैं, न कभी डरेंगे

अजय एल. दुबे को एक फिर फाउंडेशन ऑफ मीरा भायंदर प्रॉपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की दी गई जिम्मेदारी

(समाचार पृष्ठ 4-5 पर)

अर्से बाद उद्धव-फडणवीस दिखे एकसाथ

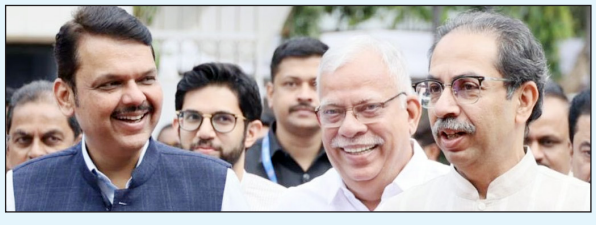

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्ता बदलने के बाद पहली बार उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस एक-दूसरे के साथ हंसते-बतियाते दिखाई दिए। एक बार फिर महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे में बीजेपी और ठाकरे के बीच की दूरियां खत्म होने की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ दिनों पहले चर्चाओं में यह बात गूंजी थी कि शिवसेना के टूटने से बीजेपी को कुछ खास फायदा होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। शिंदे गुट पर ठाकरे गुट का यह आरोप कि 'खोखे लेकर टूटे' पर एक वड़ा वर्ग विश्वास कर रहा है। ऐसे में उद्धव को सहानुभूति का फायदा हो सकता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

संजय राउत शिवसेना के संसदीय दल के नेता पद से हटाए गए

गजानन कीर्तिकर को संजय राउत की जगह शिवसेना का मुख्य नेता बनाया गया

मुंबई। महाराष्ट्र से ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत को राज्यसभा में शिवसेना के मुख्य नेता पद से हटा दिया गया है। शिवसेना संसदीय दल के नेता के पद पर उनकी जगह सांसद गजानन कीर्तिकरकी नियुक्ति की गई है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा शिवसेना का नाम और निशान एकनाथ शिंदे गुट को दिए जाने के बाद से ही इसकी आशंका जताई जा रही थी। वह सच हुई और संजय राउत को पद से हटा दिया गया। अब शिंदे समर्थक शिवसेना सांसद गजानन कीर्तिकर राज्यसभा में मुख्य नेता होंगे। संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई उद्धव ठाकरे गुट के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आठ मुख्यमंत्रियों का मोर्चा!

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पहल पर आठ मुख्यमंत्रियों का एक मोर्चा बन रहा है। अगले महीने आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों की एक बैठक होनी है। सबकी सुविधा से इसकी तारीख तय की जाएगी। पहले यह बैठक 18 या 19 मार्च को होने वाली थी लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इनकार की वजह से इसे रद्द कर दिया गया। इस बारे में केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि सब बजट में व्यस्त थे। असल में केजरीवाल ने पिछले दिनों मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी थी। वह चिट्ठी लीक हो गई थी, जिसके बाद बुधवार को केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी आठ मुख्यमंत्रियों को प्रेस कांफ्रेंस करनी थी लेकिन चिट्ठी लीक हो जाने की वजह से वे इसके बारे में जानकारी दे रहे हैं। केजरीवाल ने मुख्यमंत्रियों को इस प्रस्तावित प्लेटफॉर्म को जी-8 का नाम दिया है। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया है कि वे कोई तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बहरहाल, केजरीवाल ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आठ मुख्यमंत्री मिल कर एक प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि यह कोई पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म नहीं है। केजरीवाल ने कहा- लगभग आठ मुख्यमंत्री, जिनसे मेरे कई राउंड की बातचीत हो चुकी है वो इससे जुड़ेंगे। यह कोई पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है। केजरीवाल ने समय से पहले इसकी घोषणा को लेकर कहा- यह प्रोटोकॉल का उल्लंघन है कि आज मुझे घोषित करना पड़ रहा है, जबकि हम आठ लोगों को एक साथ मिल कर प्रेस कांफ्रेंस करनी थी। केजरीवाल ने कहा- हमने यह तय किया है कि हर महीने हम सभी आठ मुख्यमंत्री इन्हीं आठ में से एक राज्य में जाएंगे और अच्छे काम देख कर आएंगे ताकि हम सीख सकें एक दूसरे से। उन्होंने कहा- जो लेटर लिख हुआ है वह एक तरह से डेट को फाइनल करने के लिए था कि सब से हम बात कर रहे थे सबकी अपनी व्यस्तता थी। 18 और 19 मार्च की तारीख पर लगभग सब व्यस्त थे क्योंकि सब के बजट सत्र हैं। केजरीवाल ने मुख्यमंत्रियों के मिलने की तारीख को लेकर कहा- यह काम अभी प्रगति पर है और अप्रैल मिड से पहले संभव नहीं है। गौरतलब है कि कई नेता लोकसभा चुनाव से पहले तीसरा मोर्चा बनाने के प्रयास में लगे हैं। इसी सिलसिले में पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की थी और ममता बनर्जी ओड़िशा के मुख्यमंत्री से मिलने के लिए भुवनेश्वर गई हैं। सो, केजरीवाल की पहल भी चुनाव से जुड़ी लग रही है। हालांकि उन्होंने कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों को भी न्योता भेजा है।

चैत्र नवरात्रि : नौका (नाव) पर आई माँ दुर्गा

चैत्र नवरात्रि की घटस्थापना चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को होती है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि 21 मार्च को रात 10 बजकर 52 मिनट से लेकर 22 मार्च को रात 08 बजकर 20 मिनट तक रहेगी। इसलिए घटस्थापना का शुभ मुहूर्त 22 मार्च को सुबह 06 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। यानी घटस्थापना के लिए आपको कुल 01 घंटा 09 मिनट की अवधि मिलेगी। घटस्थापना या कलश स्थापना के दौरान कुछ विशेष नियमों को ध्यान में रखना होगा। सबसे पहले देवी माँ की चौकी सजाने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा का स्थान चुनें। इस स्थान को साफ कर लें और गंगाजल से शुद्ध करें। एक लकड़ी की चौकी रखकर उस पर लाल रंग का साफ कपड़ा बिछाकर देवी माँ की मूर्ति की स्थापना करें। इसके बाद प्रथम पूज्य गणेश जी का ध्यान करें और कलश स्थापना करें।

इस साल चैत्र नवरात्रि की शुरूआत 22 मार्च से हो रही है, जो कि 30 मार्च तक रहेगी। 30 तारीख को ही राम नवमी भी मनाई जाएगी। हिंदू धर्म में नवरात्रि को बेहद पवित्र माना गया है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। इन नौ दिनों में माता रानी पूजा-अर्चना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। इस बार की चैत्र नवरात्रि को बेहद ही खास माना जा रहा है, क्योंकि ये पूरे 9

दिन होगी। इस साल 22 मार्च से लेकर 30 मार्च तक नवरात्रि है और 31 मार्च को दशमी के दिन पारण होगा। शास्त्रों के अनुसार, पूरे नौ दिन की नवरात्रि शुभ मानी जाती है। इसके अलावा इस बार माँ दुर्गा का आगमन नाव यानी नौका पर हो रहा है। यह भी एक प्रकार का शुभ संकेत है। वैसे तो माँ दुर्गा सिंह की सवारी करती हैं, लेकिन नवरात्रि के पावन दिनों में धरती पर आते समय उनकी सवारी बदल जाती है। माँ जगदंबे की सवारी नवरात्रि के प्रारंभ होने वाले दिन पर निर्भर करती है। नवरात्रि का प्रारंभ जिस दिन होता है, उस दिन के आधार पर उनकी सवारी तय होती है। ठीक इसी प्रकार से वह जिस दिन विदा होती हैं, उस दिन के आधार पर प्रस्थान की सवारी तय होती है। इस साल चैत्र नवरात्रि 22 मार्च 2023, बुधवार से शुरू हो रही है। वहीं यदि बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है तो माता का आगमन नाव पर होता है। माँ जगदंबे का नौका यानी नाव पर आगमन शुभ माना जाता है। नाव पर सवार होकर माता जब भी आती हैं तब अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं और सभी कष्ट हर लेती हैं। 31 मार्च, दिन शुक्रवार को दशमी है। इस दिन माता प्रस्थान करेंगी। वहीं जब बुधवार और शुक्रवार को नवरात्रि समाप्त होती है, तो माँ की वापसी हाथी पर होती है जो अधिक बरसात को ओर संकेत करता है। माँ दुर्गा की हर सवारी से कोई न कोई शुभ-अशुभ फल, प्राकृतिक आपदा, युद्ध, महामारी आदि के संकेत मिलते हैं। जब माँ दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं तो अधिक वर्षा होती है। यदि माँ दुर्गा घोड़े पर सवार होकर आती हैं तो युद्ध के हालात पैदा होते हैं। यदि माँ दुर्गा नौका पर सवार होकर आती हैं तो सर्वसिद्धिदायक होता है। माँ दुर्गा के नौका सवारी से आगमन को शास्त्रों में माँ के इस रूप को भक्तों की समस्त इच्छायें पूर्ण करने वाला बताया गया है।

पूजा गुप्ता
मिजार्पुर (उत्तर प्रदेश)

तो कांग्रेस ही राजनीति का मानदंड है!

बरसों से विचित्र दृश्य है कि भाजपा एक ओर 'कांग्रेस-मुक्त भारत' की बात करती है, लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस ही उस के सिर पर चढ़ी हुई आदर्श प्रतीत होती है। मानो भाजपा को हर हाल में, हर चीज में, कांग्रेस की ही नकल करनी हो! न केवल विचारों, कामों में बल्कि तेवर, प्रतीक, बहानेबाजी, आदि हर चीज में। अभी अडानी पर चर्चा में पहली दलील यही सुनने को मिली कि अंबानी के साथ कांग्रेस का क्या था? चीन के प्रति नीति पर प्रश्न उठने पर 'नेहरू ने क्या किया था?' का हल्ला होता है। इसी प्रकार, दलित-प्रेम; कोष-लुटावन वोट-पटावन योजनाएं; पार्टी नेताओं के नाम सार्वजनिक बिल्डिंगों, सड़कों, संस्थानों, योजनाओं, आदि पर छापना; राजकीय धन का दुरूपयोग कर पार्टी प्रचार; अंध-नेताभक्ति; पार्टी चंदे का हिसाब देने से इंकार यानी संगठित भ्रष्टाचार; नियमित दलबदल करवाना; संस्थाओं का दुरुपयोग; चुन-चुन कर विरोधी नेताओं को लपेटना रपेटना सताना; महत्वपूर्ण पदों पर पार्टीपरस्त नियुक्तियाँ; आदि। इन में कौन सी चीज है जिस में कांग्रेस की नकल नहीं है? भाजपा नेताओं पर किसी कुनीति, बदजुबानी, तानाशाही, परिवारवाद, आदि के जो भी आरोप लगते हैं सब पर थोक उत्तर आता है कि 'कांग्रेस ने क्या किया था'। अभी किसी ने लेख लिखा है, 'राहुल गाँधी यह शिकायत बार-बार कर रहे हैं कि लोकतंत्र की सभी संस्थाओं पर भाजपा और आरएसएस के लोगों का कब्जा हो गया है। वह यह भूल रहे हैं कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब इन संस्थाओं में उस के लोगों का कब्जा होता था। जैसे कांग्रेस ने सत्ता में रहते समय अपने लोगों को विभिन्न संस्थाओं में बैठाया, वैसे ही भाजपा कर रही है तो इस में गलत क्या है? सोशल मीडिया में तो यही दलील चंडूखाने की चीख-पुकार की तरह है। हर बात में कांग्रेस, इंदिरा, राजीव के हवाले देना अपने आप में संपूर्ण माना जाता है। लेकिन यदि कांग्रेस ही हर कार्य, नीति-अनीति का मानदंड है, तब स्पष्टत - १. 'कांग्रेस मुक्त भारत' एक फूहड़ नारा था, २. संघ-परिवार की पिछले दशकों की सारी राजनीति एक धोखा थी। क्योंकि जनसंघ के समय से लेकर भाजपा के आरंभिक पंद्रह वर्ष तक, उन के नेताओं का मुख्य प्रचार मुस्लिम-तुष्टीकरण का विरोध, स्वदेशी-भारतीयता, तथा राजनीति में पारदर्शिता की माँग था। अडवाणी के 'पार्टी विथ ए डिफरेंस' के दावे ने काफी मध्यवर्गीय लोगों को प्रभावित किया था। लेकिन आज भाजपा ठीक तुष्टिकरण, विदेशी-उन्मुखता, और गोपनीयता में कांग्रेस को बहुत पीछे छोड़ चुकी है। गर्व से कहती भी है कि कांग्रेस ने मुसलमानों को ठगा था, जबकि संघ-भाजपा उन को भरपूर मालमत्ता, संसाधन आदि दे रहे हैं। वस्तुतः कोई पार्टी अपने मूल नारों और उद्देश्यों से ऐसी नहीं पलटी है, जैसे कि भाजपा और आरएसएस। इस की चर्चा नहीं होती क्योंकि भाजपा ने ठीक कांग्रेसी-वामपंथी-जातिवादी विचार अपना लिए हैं। चूँकि यही तीनों धाराएं राष्ट्रीय स्तर पर वैचारिक चुनौती दे सकती हैं, इसलिए वे नहीं कहतीं कि भाजपा ने उन के ही विचार अपना लिए हैं! वे आज भी भाजपा को वही पुराने 'हिन्दू-सांप्रदायिक', 'मुस्लिम-विरोधी', आदि कहकर निंदित कर रहे हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में वही घिसा-पिटा प्रचार हुआ, जिस में अनेक सेक्यूलर, वामपंथी महानुभाव शामिल थे। विडंबना यह है कि यह झूठा प्रचार उलटे भाजपा को फायदा पँहुचाता है। इस से उस की हिन्दूवादी छवि बनी रहती है। जबकि वह हिन्दू-हितों को घूरे पर छोड़ कर मुस्लिमों, क्रिश्चियनों, और जातिवादी दलों के आधार में घुसने के लिए बेतहाशा संसाधन लगा रही है। इस तरह, भाजपा ने हिन्दू समाज के साथ जो विश्वासघात किया, वह आरोप रखने वाला भी कोई दल नहीं है। बहरहाल, कांग्रेस, कम्युनिस्ट, सोशलिस्ट, डीएमके, आदि कोई भी अपने मूल विचार, सिद्धांत, आदि पर ऐसे नहीं पलटे हैं। कांग्रेस तो बिल्कुल नहीं। तब भी जब उस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी की 'मुस्लिम-परस्त' छवि सुधारने की जरूरत बताई।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

आम आदमी पार्टी द्वारा टोरेंट पावर, सरकारी अस्पताल, और रेलवे ट्रेनों को लेकर की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। जहां एमआईएम पार्टी टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को हटाने के लिए बे मुद्दत भूख हड़ताल पर बैठ गई थी मुस्लिम लीग सरकारी अस्पताल का निजीकरण रद्द करने के लिए बे मुद्दत हड़ताल पर अभी तक बैठी हूं इस पर आम आदमी पार्टी भी कहां पीछे रहने वाली थी गत 21 मार्च मंगलवार रात 9:00 बजे ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के डॉ अल्तमश फैजी ने पत्रकारों को टोरेंट के मुद्दे पर अपनी भूमिका बताते हुए कहा कि हमारी बात महावितरण के बड़े अधिकारियों से हुई है और हमारी भी यह कोशिश है कि टॉरेंट पावर को मुंब्रा कलवा दिवा शील से मुक्ति दिला दी जाए उन्होंने बताया अगर टोरेंट से मुक्ति पाना है तो हमें न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा लेकिन खटखटाने के लिए हमें पुख्ता सबूत की आवश्यकता है उन्होंने जनता से निवेदन किया है कि हमें पुख्ता सबूत लाकर दे जिसके आधार पर हम न्यायालय मैं टोरेंट के विरुद्ध याचिका दायर कर सकें ग्राहकों से निवेदन किया है जिसका

एमएसईडीसीएल के मीटर पिछले एक साल से लगे थे उसके तमाम बिल हमारे पास जमा करें और टोरेंट के नए लगे मीटर उसके तमाम बिल जमा करें जिससे हमको यूनिट की जानकारी मिल जाएगी अगर टोरेंट के मीटर एमएसईडीसीएल की मीटर से तेज गति से चल रहे हैं इस तरह से तेज चलने वाले टोरेंट के मीटर अगर 2000 ग्राहक भी मिल जाते हैं तो हम कोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं उन्होंने जनता से निवेदन किया है इस अभियान में हमारा सहयोग करें और टोरेंट को भगाने में हमारा साथ दें इस मामले में हम से सीधा संपर्क कर सकते हैं सरकारी अस्पताल के मुद्दे पर जानकारी देते हुए कि एक हफ्ता पहले ही ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर से मुलाकात कर सरकारी अस्पताल को अगर ठाणे मनपा प्रशासन नहीं चला सकती है तो उसे मेडिकल कॉलेज में परिवर्तन कर दिया जाए जिसका 12000 ट्वीट अलग-अलग स्थानों से लगातार किया गया था जिसके बारे में हरी झंडी मनपा प्रशासन की तरफ से हम लोगों को मिली है मुंब्रा रेलवे स्टेशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा 31 मार्च तक मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर और लिफ्ट की शुरूआत की जाएगी और जो ट्रेनें मुंब्रा स्टेशन पर नहीं रुकती है वह भी मुंब्रा स्टेशन पर जल्द रुकेंगे इस तरह का निवेदन पत्र हमारी पार्टी द्वारा रेलवे प्रशासन को दिया गया है। गौरतलब बात तो यह है जिस तरह से आम आदमी पार्टी टोरेंट को हटाने के लिए सबूतों की तैयारी कर रही है जिसके आधार पर वह कोर्ट में याचिका दायर कर सके सरकारी अस्पताल को मेडिकल कॉलेज में परिवर्तन करने की मांग की जा रही है और रेलवे प्रशासन द्वारा जो ट्रेनें मुंब्रा स्टेशन पर सेमी फास्ट ट्रेन नहीं रूकती है उनके लिए भी पत्र व्यवहार किया गया है और मांग की गई है कि मुंब्रा स्टेशन पर से भी फास्ट ट्रेन रोकी जाए अब देखना यह है आम आदमी पार्टी द्वारा उठाए गए कदम मुंब्रा शहर को क्या नई दिशा देते हैं यह देखने वाली बात होगी।

आवाज ए निस्वान समाजिक संस्था द्वारा महिला और बच्चों समेत निकली गई विशाल रैली

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। गत 18 मार्च शनिवार आवाज ए निस्वान समाजिक संस्था द्वारा महिला और बच्चों समेत एक विशाल रैली निकाली गई या रैली आवाज ए निस्वान और रहनुमा लाइब्रेरी की अध्यक्ष यासमीन आगा के नेतृत्व में यह रैली को प्रारंभ मुंब्रा पुलिस स्टेशन से लेकर कौसा किस्मत कॉलोनी परिसर स्थित कार्यालय रहनुमा लाइब्रेरी दारुल फलाह इमारत कौसा तक या रैली निकाली गई थी इस अवसर पर आवाज ए निस्वान की टीचर और काउंसलर पद पर विराजमान फैजा शेख ने बताया आवाज ए निस्वान बीते कई वर्षों से महिलाओं और युवती के साथ काम कर रही है हर वर्ष 8 मार्च महिला दिवस के अवसर पर आवाज ए निस्वान कार्यक्रम करती आ रही है हम हर वर्ष अपना कार्यक्रम

हॉल में आयोजित करते चले आ रहे हैं परंतु इस वर्ष हमने सोचा क्यों ना हम इस बार रास्ते पर उतर कर अपने हक की बात हम लोगों तक पहुंचाएंगे हम सभी महिलाएं और युवती द्वारा इस रैली को रखा जाएगा और साथ ही आवाज ए निस्वान जो रहनुमा लाइब्रेरी के माध्यम से मुंब्रा शहर में काम कर रही है हर युवतियों के साथ शिक्षण कंप्यूटर और महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार पर हम काउंसलिंग भी करते हैं हमारी ओर से जो कार्य हमारे संस्था में किया जाता है उसके पंपलेट के जरिए लोगों तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं बहुत सारी महिलाएं जो घरेलू हिंसा पीड़ित है वह हमारे पास आए और अपनी परेशानी हमारे सामने रखे हमारी संस्था के माध्यम से हम उसको हल करने का पूरा प्रयास करेंगे।

कानूनी सलाहकार

एडवोकेट परवेज बी. कुर्नूरकर

आप सभी को सुचित किया जाता है कि अगर आपको किसी प्रकार की कानूनी सलाह की अवश्यकता हो, जैसे पुलिस मैटर, कोर्ट मैटर व अन्य किसी भी प्रकार की कानूनी सलाह के लिए आप हमसे संपर्क कर सकते हैं, हम आपका उचित मार्गदर्शन करेंगे।

Cell : 9769659975
Email: Parvezk9001@rediffmail.com

गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर मुस्लिम हिंदू सभी धर्मों के समुदाय द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ नव वर्ष का किया गया स्वागत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। हर वर्ष की तरह मुंब्रा शहर में गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर में मुस्लिम हिंदू सभी धर्म के समुदाय द्वारा मिलजुल कर हर्षोल्लास के साथ नए वर्ष का स्वागत किया गया आपको बताते चलें गुड़ी पड़वा, जिसे लोकप्रिय रूप से संवत्सर पड़वो के नाम से जाना जाता है, का अर्थ है महाराष्ट्र में नए साल का पहला दिन. सरल शब्दों में, मराठी नव वर्ष का नाम दो शब्दों से मिला है- 'गुड़ी', जिसका अर्थ है हिंदू भगवान ब्रह्मा का ध्वज या प्रतीक और 'पड़वा' का अर्थ है चंद्रमा के चरण का पहला दिन जिसे ही बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पूरे महाराष्ट्र शहर में मनाया जाता है मुंब्रा शहर में भी हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुड़ी

पड़वा की धूम देखी गई जिसमें एक विशाल रैली निकाली गई इस रैली में रंगारंग कार्यक्रम पेश किए गए खुशी की बात तो यह है इस गुड़ी पड़वा के नव वर्ष स्वागत अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और खुशी के साथ एक दूसरे को गुड़ी पड़वा की शुभेच्छा देते हुए नजर आए इस गुड़ी पड़वा के अवसर पर उपस्थित शिवसेना के पूर्व विधायक सुभाष भोइर, एमआईएम के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान, एनसीपी की महिला अध्यक्ष रुता अवाड, एनसीपी के सैयद अली अशरफ, महिंद्र कुंभलेकर, और तमाम हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों की उपस्थिति देखी गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मानहानि केस में राहुल गांधी को 2 साल की सजा

मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी।' उधर, कोर्ट के बाहर विधायक और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी और उनके समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगाए। राहुल पर पिछले 4 साल से मानहानि का मामला चल रहा था। कोर्ट ने 17 मार्च को इस मामले में सभी दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। जज ने राहुल को दोषी करार देते हुए पूछा कि क्या वह कुछ कहना चाहते हैं? इस पर राहुल ने कहा कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते रहते हैं, लेकिन जानबूझकर ऐसा कुछ नहीं कहा था। राहुल ने जो बात कही थी उससे किसी को हानि नहीं हुई है तो कम से कम सजा दी जाए। वहीं, अभियोग पक्ष के वकील ने कहा कि राहुल गांधी सांसद हैं। जो लोग कानून बनाते हैं, वही तोड़ेंगे तो इसका समाज में क्या संदेश जाएगा, इसलिए उन्हें अधिकतम सजा दी जाए। राहुल को आईपीसी की धारा 400 और 500 के तहत दोषी करार दिया गया है। इसमें 2 साल की सजा का प्रावधान है। राहुल के वकील ने कोर्ट से कहा- इस पूरी घटना में कोई घायल नहीं हुआ। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। इसलिए हम किसी प्रकार की दया की याचना नहीं करते हैं। जुलाई 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अदालतों में 2 साल या उससे ज्यादा की सजा पाए जनप्रतिनिधियों (विधायकों-सांसदों) की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। इसी आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि जो सांसद या विधायक सजा को ऊपरी अदालत में चैलेंज करेंगे, उन पर सदस्यता रद्द करने का आदेश लागू नहीं होगा।

संजय राउत शिवसेना के संसदीय दल के नेता पद से हटाए गए

शिंदे समर्थक लोकसभा सांसद राहुल शेवाले ने इस संबंध में एक पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा था। 17 फरवरी को केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा दिए गए फैसले के मुताबिक शिवसेना का नाम और निशान एकनाथ शिंदे गुट को मिल गया। इसके बाद 21 फरवरी को मुंबई में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। इस बैठक में गजानन कीर्तिकर की नियुक्ति का फैसला किया गया। इसके बाद यह जानकारी देते हुए राहुल शेवाले ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा कि शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में यह फैसला किया गया है कि संसद में शिवसेना के नेता के पद पर गजानन कीर्तिकर होंगे। इसके बाद यह तय हो गया था कि संजय राउत का राज्यसभा में शिवसेना के मुख्य नेता का पद जाने वाला है। इस तरह शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के फैसले के मुताबिक संजय राउत को शिवसेना के संसदीय दल के नेता पद से हटाया गया और उस पद पर सांसद गजानन कीर्तिकर को लाया गया। इस अवसर पर शिवसेना सांसदों ने संसद में शिवसेना के कार्यालय में गजानन कीर्तिकर का अभिनंदन किया। अभिनंदन किए जाने वाले सांसदों में राहुल शेवाले, श्रीकांत शिंदे, बुलढाणा के प्रतापराव जाधव, कोल्हापुर के संजय मंडलिक, हातकणंगले के सांसद धैर्यशील माने मौजूद रहे। गजानन कीर्तिकर 2019 में उत्तर पूर्व मुंबई से कांग्रेस के संजय निरुपम को हराकर सांसद बने। इससे पहले वे 2014 में भी उत्तर-पश्चिम मुंबई से लोकसभा सांसद रहे। सांसद बनने से पहले वे चार बार विधायक रह चुके थे।

अर्से बाद उद्धव-फडणवीस दिखे एकसाथ

हालिया विधानसभा और विधानपरिषद के उपचुनावों में बीजेपी और शिंदे गुट को महाविकास आघाड़ी से टकराने में नाकों चने चबाने पड़ गए। ऐसे में अगर महाविकास आघाड़ी में कांग्रेस-एनसीपी और ठाकरे गुट एक-साथ बने रहे तो फिलहाल बीजेपी के लिए 'दिल्ली दूर' नजर आ रही है। दूसरी तरफ ठाकरे गुट भी शिवसेना का नाम और निशान छिन जाने के बाद पूरी तरह पस्त हो चुका है। ऐसे में कोई दो मत नहीं कि दोनों तरफ से समझदारी दिखाई जाए। ऐसी ही भावनाएं आज बीजेपी के सीनियर लीडर सुधीर मुनगंटीवार ने भी विधानपरिषद में व्यक्त कीं। वन और संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने विधानपरिषद उद्धव ठाकरे से मुखातिब होकर कहा, उद्धव जी मैंने आपको तीन बार समझाया था। लेकिन आप माने नहीं। अब भी वक्त गया नहीं है। हमें यह पेड़ बड़ा करना है। इसमें और खाद डालनी है। अब भी वक्त है। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा, यूरिया की बजाए आपने निरमा पाउडर डाल दिया। खाद की बजाए झाग पैदा हो गया। इसके बाद स्पीकर ने उन्हें टोका और कहा कि आपसी बातचीत हो गई, अब मुद्दे पर बात कीजिए।

अजय एल. दुबे को एक फिर फाउंडेशन ऑफ मीरा भायंदर प्रॉपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की दी गई जिम्मेदारी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। फाउंडेशन ऑफ मीरा भायंदर प्रॉपर्टी डीलर्स एसोसिएशन के इलेक्शन कमिटी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे को एक बार फिर निर्विरोध चुन कर 2023-2026 तक के लिए फाउंडेशन के अध्यक्ष पद की ज़िम्मेदारी सौंप दी है। इस दौरान अजय एल. दुबे ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इस पद की गरिमा को हमेशा बरकरार रखूंगा, और साथ में महा सचिव जावेद शेख और कोषाध्यक्ष जितु जोशी और सभी चुने गये पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ फाउंडेशन के सभी पदाधिकारी मेंबर्स ने जो विश्वास जताया है, उसे मैं कभी टूटने नहीं दूँगा, फिर से एक बार पूरी टीम का और सभी सम्माननीय सदस्यों का बहुत बहुत धन्यवाद और आभार।

दरियादिल मुंबईकर द्वारा किया गया एक और सराहनीय कार्य

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। 22 मार्च 2023 गुड़ी पड़वा और नवरात्रि के प्रथम दिवस पर दरियादिल मुंबईकर द्वारा एक और सराहनीय कार्य किया गया। संस्थापक डॉ अर्चना देशमुख ने बताया काश यह गुढीपाडवा और नया साल इनके लिए भी इतना ही अच्छा होता जितना बाकियों के लिए। दरियादिल मुंबईकर द्वारा अप्पा पाड़ा मलाड ईस्ट में एक बार फिर से सेवा दी गई। 1400 परिवार जिन्होंने 13 मार्च को भयंकर अग्निकांड में अपना घर और सब कुछ खो दिया। कुछ लोगों से मिलकर दुख सुख पूछा और उनकी जरूरत के बारे में जाना और जल्दी ही उनकी जरूरत की चीजें देने का वादा किया। इस दौरान दरियादिल मुंबईकर ने कहा कि आप सभी आगे आए और इनकी सहायता करें। उन्होंने ग्रुप सदस्य-राजकुमारी तिवारी, अर्चना देशमुख,भगवती याग्निक, आशा नागलियां, धर्मिष्ठा पारीक, दक्षा कनाविया, प्रतिभा सिंघल, श्यामा अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, मानसी मंत्री, सुधा शर्मा, नंदा चोमल, शोभा जोशी आदि को धन्यवाद दिया जो इस नेक कार्य में सम्मिलित हुए।

राहुल गांधी की सजा पर भड़की कांग्रेस, बीजेपी पर बोला तीखा हमला

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले पर गुरुवार को सूरत की एक कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने राहुल गांधी को मामले में दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई है। हालांकि, मामले में उन्हें तुरंत ही जमानत भी मिल गई। वहीं, मामले पर राहुल और अन्य विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की बात को कोट करते हुए लिखा, मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।

रमजान का महत्व

मुस्लिम समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति के लिए रमजान का महीना सबसे पवित्र यानी पाक महीना होता है। रमजान के इस पाक महीने में पूरे महीने मुस्लिमों द्वारा रोजे रखे जाते हैं, मान्यता है कि रोजे रखने वाले व्यक्ति की ईश्वर द्वारा उसके सभी गुनाहों की माफी दी जाती है। अतः प्रत्येक मुसलमान के लिए रमजान का महीना साल का सबसे विशेष माह होता है! मान्यता है कि रमजान के महीने में जन्नत के दरवाजे खुले रहते हैं, अतः अल्लाह के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी मुस्लिमो द्वारा रमजान में रोजे रखे जाते हैं। तथा रमजान के बाद मुस्लिमो द्वारा ईद के त्योहार को मनाया जाता है।

रमजान

इस माह की विशेषताएँ

- महीने भर के रोजे (उपवास) रखना
- रात में तरावीह की नमाज पढ़ना
- कुरान तिलावत (पारायण) करना
- एतेकाफ बैठना, यानी गाँव और लोगों की अभ्युन्नती व कल्याण के लिये अल्लाह से दुआ (प्रार्थना) करते हुवे मौन व्रत रखना
- जकात देना
- दान करना
- अल्लाह का धन्यवाद अदा करना। अल्लाह का धन्यवाद अदा करते हुवे इस महीने के गुजरने के बाद शव्वाल की पहली तिथि को ईद उल-फित्र मनाते हैं।
- इत्यादी को प्रमुख माना जाता है। कुल मिलाकार पुण्य कार्य करने को प्राधान्यता दी जाती है। इसी लिये इस मास को नेकियों और इबादतों का महीना यानी पुण्य और उपासना का माह माना जाता है।

रमजान और इत्यादी बातें

मुस्लिम समुदाय में रमजान को लेकर निम्न बातें अक्सर देखी जाती हैं।

- रमजान को नेकियों या पुन्यकार्यों का मौसम-ए-बहार (बसंत) कहा गया है। रमजान को नेकियों का मौसम भी कहा जाता है। इस महीने में मुसलमान अल्लाह की इबादत (उपासना) ज्यादा करते हैं। अपने परमेश्वर को संतुष्ट करने के लिए उपासना के साथ, कुरआन परायण, दान धर्म करते है।
- यह महीना समाज के गरीब और जरूरतमंद बंदों के साथ हमदर्दी का है। इस महीने में रोजादार को इफ्तार कराने वाले के गुनाह माफ हो जाते हैं। पैगम्बर मोहम्मद सल्ल. से आपके किसीसहाबी (साथी) ने पूछा- अगर हममें से किसी के पास इतनी गुंजाइश न हो क्या करें। तो हजरत मुहम्मद ने जवाब दिया कि एक खजूर या पानी से ही इफ्तार करा दिया जाए।
- यह महीना मुस्तहिक लोगों की मदद करने का महीना है। रमजान के तअल्लुक से हमें बेशुमार हदीसें मिलती हैं और हम पढ़ते और सुनते रहते हैं लेकिन क्या हम इस पर अमल भी करते हैं। ईमानदारी के साथ हम अपना जायजा लें कि क्या वाकई हम लोग मोहताजों और नादार लोगों की वैसी ही मदद करते हैं जैसी करनी चाहिए? सिर्फ सदकए फित्र देकर हम यह समझते हैं कि हमने अपना हक अदा कर दिया है।
- जब अल्लाह की राह में देने की बात आती है तो हमें कंजूसी नहीं करना चाहिए। अल्लाह की राह में खर्च करना अफजल है। गरीब चाहे वह अन्य धर्म के क्यों न हो, उनकी मदद करने की शिक्षा दी गयी है। दूसरों के काम आना भी एक इबादत समझी जाती है।
- जकात, सदका, फित्रा, खैर खैरात, गरीबों की मदद, दोस्त अहबाब में जो जरुरतमंद हैं उनकी मदद करना जरूरी समझा और माना जाता है।
- अपनी जरूरीयात को कम करना और दूसरों की जरूरीयात को पूरा करना अपने गुनाहों को कम और नेकियों को ज्यादा कर देता है।
- मोहम्मद सल्ल ने फरमाया है जो शख्स नमाज के रोजे ईमान और एहतेसाब (अपने जायजे के साथ) रखे उसके सब पिछले गुनाह माफ कर दिए जाएँगे। रोजा हमें जब्ते नफ्स (खुद पर काबू रखने) की तरबियत देता है। हममें परहेजगारी पैदा करता है। लेकिन अब जैसे ही माहे रमजान आने वाला होता है, लोगों के जहन में तरह-तरह के चटपटे और मजेदार खाने का तसव्वुर आ जाता है।

रमजान का इतिहास?

इस्लाम धर्म में रमजान में रोजे रखने का प्रचलन काफी पुराना है इस्लामिक धर्म की मान्यताओं के अनुसार मोहम्मद साहब (इस्लामिक पैगम्बर) को वर्ष 610 ईसवी में जब इस्लाम की पवित्र किताब कुरान शरीफ का ज्ञान हुआ तो तब से ही रमजान महीने को इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र माह के रूप में मनाया जाने लगा। इस्लाम धर्म के लिए इस महीने के पवित्र होने का एक मुख्य वजह भी है कुरान के मुताबिक पैगंबर साहब को अल्लाह ने अपने दूत के रूप में चुना था! अतः यह महीना मुस्लिम समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति के लिए विशेष एवं पवित्र होता है जिसमें सभी को रोजे रखना अनिवार्य माना गया है।

रमजान का यह महीना ईद-उल-फित्तर से समाप्त होता है, जिसे मीठी ईद भी कहा जाता है। यह दिन सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए हर्षोल्लास का होता है, वे इस दिन नए कपड़े पहन कर सज-धज के मस्जिद में या ईदगाह जाते हैं और वहां नमाज पढ़कर खुदा को शुक्रिया करते हैं, तथा गले लग कर एक दूसरे को बधाइयां देते हैं।

क्या हैं सहरी और इफ़्तार

सूर्योदय से पहले कुछ खान पान कर लेते हैं, खजूर या अन्य मनपसंद चीज खाई जाती है जिसे सहरी कहा जाता है। वहीं, इफ्तार सूर्य अस्त होने के बाद इफ्तार किया जाता है।

रमजान क्यों मनाया जाता है

इस्लाम धर्म की मान्यताओं के मुताबिक रमजान का महीना खुद पर नियंत्रण एवं संयम रखने का महीना होता है? अतः रमजान के महीने में मुस्लिम समुदाय द्वारा रोजे रखने का मुख्य कारण है 'गरीबों के दुख दर्द को समझना'। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार रमजान के महीने में रोजे रखकर दुनिया में रह रहे गरीबों के दुख दर्द को महसूस किया जाता है! रोजे के दौरान संयम का तात्पर्य है कि आंख, नाक, कान, जुबान को नियंत्रण में रखा जाना! क्योंकि रोजे के दौरान बुरा न सुनना, बुरा न देखना, न बुरा बोलना और ना ही बुरा एहसास किया जाता है। इस तरह से रमजान के रोजे मुस्लिम समुदाय को उनकी धार्मिक श्रद्धा के साथ साथ बुरी आदतों को छोड़ने के साथ ही आत्म संयम रखना सिखाते हैं। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि गर्मी में रोजेदारों के पाप धूप की अग्नि में जल जाते हैं! तथा मन पवित्र होता हो जाता है और सारे बुरे विचार रोजे के दौरान मन से दूर हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डॉ. तान्या का स्किन केयर ब्रांड लॉन्च

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। डॉक्टर से उद्यमी बनीं डॉ. तान्या उन्नी अपने 4 साल के गहरे शोध कार्य के बाद अपने बीस्पोक स्किन केयर और हेयर केयर प्रोडक्ट्स के साथ सामने आई हैं। ये प्रोडक्ट्स उनके २० वर्षों के अनुभव का परिणाम है, जो सबसे जिद्दी दाग का इलाज करने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए शक्तिशाली ऑल-इन-वन स्किनकेयर समाधान प्रदान करता है। डॉ तान्या ने इस ब्रांड को १९ मार्च रविवार को जुहू मुम्बई के जेडब्ल्यू मैरियट में एक शानदार प्रोग्राम में लॉन्च किया, जिसकी मेजबानी डॉ. तान्या ने की जहां माननीय केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, ऑस्कर पुरस्कार विजेता रसूल पुकुट्टी, ऑस्ट्रेलियाई ट्रेजर एवं मंत्री कैमरून डिक और पूर्व मिस इंडिया सयाली भगत जैसे विशिष्ट अतिथि ने ऑस्ट्रेलिया की इस कॉस्मेटिक स्किनकेयर बेस्पोक रेंज का अनावरण किया। डॉ तान्या उन्नी का डॉ तान्या स्किनकेयर को भारतीय बाजार में लाने का फैसला उनकी भारतीय विरासत और परंपराओं से गहराई से जुड़े होने के कारण हुआ है, इसी वजह ने इस ब्रांड को आकार देने में मदद की है। वह आज जो भी हैं, अपनी परम्पराओं की वजह से हैं, और इसी कारण से अपने व्यापार को एक ऐसे देश में विस्तारित किया है जिसे वह हमेशा अपना घर बुलाती हैं, वह इस फैसले पर बेहद गौरवांवित महसूस करती हैं। भारतीय संस्कृति मेरी पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे ऑस्ट्रेलिया में एक अविश्वसनीय स्किनकेयर रेंज विकसित करने के लिए इतनी मेहनत करने पर बहुत गर्व महसूस होता है, और अब मेरे जन्म स्थान भारत में इसे घर वापस लाने का अवसर वास्तव में विशेष है। दुनिया मे जहां भी मैं व्यवसाय करने के लिए भाग्यशाली हूं, लेकिन यह कभी भी आपके जन्म के देश में उन समान उपलब्धियों को प्राप्त करने जैसा महसूस नहीं होता है। एक मायने में, मुझे लगता है कि मैं घर आ वापस आ गई हूं, और यह एक बहुत ही खूबसूरत एहसास है। डॉ. तान्या कहती हैं। डॉ तान्या स्किनकेयर में, हम मानते हैं कि सभी प्रकार की त्वचा बेमिसाल है और उसी के लिए जश्न मनाया जाना चाहिए। कहीं भी कोई दो तरह की त्वचा की स्थिति नहीं है, जिसका अर्थ है कि लंबे समय तक चलने वाले परिणाम प्राप्त करने के लिए जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। एक भारतीय महिला के रूप में, मैं अपनी त्वचा को गहराई से समझती हूं और इसे निखारने के लिए क्या आवश्यक है, यह जानती हूं। जबकि स्किनकेयर को लोगों के लिए अनुकूलित किया जाना चाहिए, मैंने दुर्भाग्य से अनुभव किया है कि त्वचा की चिंताओं और मौसम की स्थिति का समर्थन करने के लिए कितने उत्पाद तैयार किए गए हैं जो हम भारत में अनुभव करते हैं। डॉ लान्या कहती हैं। डॉ तान्या के स्किनकेयर ओएसोफी का विस्तार देश के माध्यम से युगों पुराने लाभों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। आयुर्वेदिक पद्धतियों के पुराने लाभों के साथ यह हमारी संस्कृति में जुड़ा हुआ है। मुंडे मीडिया पीआर ने मीडिया मैनेजमेंट की जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

रोटरैक्ट मुंबई

वर्ल्ड रिस्पॉन्सिबल यूथ 2022-23

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। रोटरैक्ट मुंबई, आर.आई.डी. 3141 ने विश्व रोटरैक्ट सप्ताह के अवसर पर रोटारेक्शन के 55 साल और WRY- वर्ल्ड रिस्पॉन्सिबल यूथ के 15 साल पूरे होने का जश्न मनाया। मुंबई और रोटारैक्ट की सच्ची भावना का जश्न मनाने वाली गतिविधियों का सही समामेलन। 515 से अधिक गतिविधियों के संचालन के साथ, 102 स्थानों को कवर किया गया, 27 प्रतिभागी क्लब, 25 प्लेटिनम होस्ट क्लब, 2 सिल्वर होस्ट क्लब, 20 पार्टनर्स, 15 ब्रांडिंग, 10 ऑफर और उपहार, 7 वर्कशॉप, 3 फ्लैश मॉब, 3 वॉल पेंटिंग और 1 साइकिल रैली से जुड़े यह सब परियोजना जिसका उद्देश्य 55वें वर्ष में बदलाव लाना है। समुदाय की सेवा और आत्म-विकास के लिए आज ही रोटरैक्ट से जुड़ें।

विधानसभा में हकोका बिल पास अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

पक्ष और विपक्ष के बीच बिल को लेकर तीखी बहस हुई, कांग्रेस सदस्य वेल में पहुंचे, सदन स्थगित

सीएम बोले-जलभराव के कारण खराब हुई करीब 23,000 एकड़ फसल का मुआवजा दिया जा चुका

मुंबई हलचल / संवाददाता

हरियाणा विधानसभा बजट-सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के अंतिम दिन कांग्रेस विधायकों के हंगामे के बीच सरकार ने दो विधेयक हरियाणा विनियोग (संख्या 2) और 2023 व हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण (हकोका) विधेयक, 2023 पारित करवा लिए। हरियाणा विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2023 मार्च, 2024 के 31वें दिन को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के दौरान सेवाओं के लिए हरियाणा राज्य की संचित निधि में से कुल 221088,91,74,343 रुपये के भुगतान और विनियोग का प्राधिकार देने लिए लाया गया है। वहीं, हकोका संगठित अपराध सिंडिकेट या गैंग की आपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए और उससे संबंधित मामलों के लिए विशेष उपबंध बनाने हेतु लाया गया है। इससे अब अराधियों पर शिकंजा कसा जा सकेगा। हरियाणा में अपराध के रुझानों के अध्ययन से पता चला है कि पिछले दशक में राज्य में अपराध के पैटर्न में बदलाव देखने को मिला है। पहले व्यक्ति विशेष अथवा समूह द्वारा जघन्य अपराध जैसे हत्या, डकैती, अपहरण और जबरन वसूल किए जाते थे, लेकिन पिछले एक दशक में हरियाणा में गैंगस्टर और संगठित अपराध का प्रचलन हुआ है। नई उम्र के अपराधियों के गिरोहों ने संगठित आपराधिक अद्यम के रूप में जीवन जीना शुरू कर दिया है। अब हकोका से ऐसे अपराधी बच नहीं पाएंगे।

कमेटियों ने सौंपी रिपोर्ट

बजट सत्र के अंतिम चरण के दौरान विभिन्न कमेटियों ने (विधान समितियां) रिपोर्ट ई-माध्यम से पेश की। दो विधेयक भी पेश कर पारित कर दिए गए। तीसरे दिन प्रश्नकाल और शून्यकाल को लेकर विपक्ष की ओर से वरुण मुलाना, आफताब अहदम, बीबी बतरा जगबीर मलिक और सत्तापक्ष की ओर से बिजली मंत्री रंजीत सिंह, डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला अन्य की कई बार बहस हुई। इस बीच सीएम ने कहा कि खराब मौसम और जलभराव के कारण खराब हुई करीब 23000 एकड़ फसल का मुआवजा दिया जा चुका है। किसानों के खातों में लगभग 15 करोड़ मुआवजा राशि ट्रांसफर की गई है।

हिमाचल के ऑर्डिनेंस के विरोध में प्रस्ताव पास

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में हिमाचल प्रदेश सरकार के द्वारा लाए ऑर्डिनेंस के विरोध में संकल्प पत्र पेश किया कर विपक्ष का समर्थन मांगा। सभी ने हिमाचल के कदम की निंदा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल के ऑर्डिनेंस से हरियाणा पर बोझ पड़ेगा। हिमाचल सरकार के द्वारा पानी के संसाधनों पर लगाए सेस के संबंध में ऑर्डिनेंस पास किया है। हिमाचल सरकार द्वारा लाया ऑर्डिनेंस अवैध है। इसके बाद हरियाणा विधानसभा में सर्वसम्मति से ऑर्डिनेंस के खिलाफ प्रस्ताव पास हो गया।

ट्यूबवेल कनेक्शन का मुद्दा गूंजा

कांग्रेस ने 80428 पेंडिंग ट्यूबवेल कनेक्शन का मुद्दा उठाया। सदन में कांग्रेस विधायक वरुण चौधरी ने पूछा कि 2014 से 2023 तक किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन नहीं दिए हैं। सरकार किसानों के हितों को देखते हुए बिजली की तरह ट्यूबवेल कनेक्शन को राइट टू सर्विस के दायरे में लाए। मंत्री रणजीत सिंह के जवाब से विधायक संतुष्ट नहीं दिख तो मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हस्तक्षेप किया।

कांग्रेस के गोगी ने की आलोचना

हकोका को लेकर सदन में जमकर हंगामा व शोरगुल हुआ। इतना ही नहीं इसमें कुछ पैरे व क्लाज को लेकर कांग्रेसी विधायक स्पीकर की चेयर के सामने वेल में पहुंच गए, हालांकि आखिर में इस पर विपक्ष का साथ प्रदेश के सीएम मनोहर लाल को मिला और इसे पारित कर दिया गया। कांग्रेस की ओर से विधायक शमशेर गोगी अकेले ने इसकी जमकर आलोचना की, साथ ही इसे पुलिस स्टेट बनाने की साजिश करार दिया। इस दौरान बिशनलाल सैनी ने भी उनकी हां में हां की।

भारतीय उत्पादकों के बच्चों के ठिकाने पर पाकिस्तान सरकार की प्रतिक्रिया अभी भी प्रतीक्षित है : केन्द्र सरकारव

मुंबई। केन्द्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि उसने मुश्ताक नाडियाडवाला के बच्चों को 2020 से ही उनकी पत्नी द्वारा पाकिस्तान में अवैध रूप से रोके जाने संबंधी फिल्म निमार्ता के दावे पर पाकिस्तान सरकार से दोनों नाबालिग बच्चों के ठिकानों के संबंध में जानकारी मांगी है, लेकिन उसे अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। विदेश मंत्रालय ने न्यायमूर्ति एस. बी. शुक्रे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को मंगलवार को स्थिति रिपोर्ट सौंपी। खंडपीठ नाडियाडवाला द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने अदालत से उनके दोनों बच्चों... नौ साल का बेटा और छह साल की बेटी... की पाकिस्तान से सुरक्षित वापसी के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया था। स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार ने इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग के माध्यम से सितंबर 2022 में पाकिस्तान के विदेश विभाग से नाडियाडवाला के दोनों नाबालिग बच्चों को तत्काल राजनयिक सहायता मुहैया कराने को कहा था। भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से बच्चों के ठिकाने के बारे में, उनके वीजा और नागरिकता की स्थिति पर जानकारी देने को कहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पिपंल और एक्ने को दूर करने के लिए यूं इस्तेमाल करें जायफल

जायफल का इस्तेमाल भोजन में फ्लेवर लाने के लिए किया जाता है। जायफल के एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो शरीर होने वाले हर तरह के इन्फेक्शन से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। जायफल में औषधीय गुण भी होते हैं जिन्हें त्वचा को निखारने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जायफल में मैग्नीशियम, कॉपर और विटामिन बी1 और बी6 होता है जोकि सेहत के लिए जरुरी माना जाता है। इसके ये गुण त्वचा पर बहुत ही कारगर होते हैं। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लामेट्री गुण पिंपल्स और एक्ने के इलाज में मददगार साबित होते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि जायफल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने से क्या फायदे होगें और आप इसे किस तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

1.कलींजर

1 चम्मच जायफल पाउडर और 1-2 चम्मच दूध लें। दोनों को मिक्स करके पेस्ट बना लें, अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।10-15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। जायफल के रेजुवेनटिंग गुण और दूध में लैक्टिक एसिड मौजूद होने के कारण आपकी स्किन एकदम सुंदर और मुलायम हो जाएगी।

2. एक्ने और पिंपल्स पर असरदायक

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आपके चेहरे पर एक्ने और दानें निकल आएं हैं तो 1 चम्मच जायफल पाउडर में शहद की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। कुछ समय बाद अपना चेहरा धों ले। दो हफ्तों में ही असर नजर आने लगेगा। जायफल और दूध दोनों में एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेट्री गुण होते हैं जो एक्ने को दूर करने में मदद करते हैं।

3.पिगमेंटेशन के लिए

जायफल में पाए जाने वाले गुण आपकी त्वचा की रंगत को निखारने और पिगमेंटेशन के साथ-साथ गहरे दाग-धब्बों को दूर करने में सहायता करते हैं। ये सूरज की तेज किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान को भी ठीक करता है। पैक बनाने के लिए एक साफ कटोरी लें और इसमें जायफल पाउडर, योगर्ट और नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। चेहरे पर पेस्ट को लगाएं और 8-10 मिनट के बाद ठंडे पानी से चेहरा धोकर सुखा लें। इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। आपकी स्किन पहले से ज्यादा ग्लोइंग नजर आऐंगी।

4.त्वचा को एक्सफोलिएट

त्वचा को एक्सफोलिएट करके स्किन की सफाई करता है। आप अपनी डेड स्किन को स्क्रब करने के लिए जायफल पाउडर में शहद, बेकिंग सोडा और लौंग का तेल, नींबू के रस की बूंदे एकसाथ मिला लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और चेहरे पर धीरे-धीरे स्क्रब करें। 5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धोकर सुखा लें।

हफ्ते में पलकें होगी घनी अगर रोजाना करेंगे ये 3 काम

घनी पलके आखों की खूबसूरती को चार चांद लगा देती है। जिनकी पलके छोटी होती है उनकी आंखों की खूबसूरती फिकी दिखती है। अपनी पलकों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए युवतियां अक्सर नकली लैशेज लगाती हैं। परंतु आप चाहें तो कुछ टिप्स को अपनाकर घर पर ही घनी आई लैशेज पा सकती हैं। इससे आपकी पलकें घनी और खूबसूरत लगेगी।

1. कैस्टर ऑयल

रात में कैस्टर ऑयल लगाकर सोएं। नियमित रूप से इसे लगाने के कुछ हफ्तों बाद ही आपको फर्क नजर आने लगेगा। लैशेज के साथ-साथ आप आई ब्रोज को भी घना बना सकती हैं।

2. विटामिन-ई

विटामिन-ई कैप्सूल को तोड़कर आई लैशेज पर लगाएं। आप चाहें तो लगाकर सो जाएं या फिर 20 मिनट बाद आंखों को साफ कर लें।

3. आई लिड मसाज करें

रिंग फिंगर से हल्की-हल्की मसाज करें तथा मसाज करने से पहले उंगलियों को अच्छी तरह धो लें। यह आंखों के आसपास के हिस्से में रक्त प्रवाह को बढ़ाएगा।

सूखी खांसी को जल्दी ठीक कर देंगे ये घरेलू नुस्खे

बार-बार खांसी करने से कोई भी काम करने में अच्छी खासी परेशानी आती है। इससे गले और पसलियों में दर्द भी होने लगता है। मौसम में बदलाव आ जाने से इस तरह की समस्या होने की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा ज्यादा ठंड़ी या खट्टी चीजें भी गला खराब कर देती हैं। सूखी खांसी हो जाने पर जल्दी आराम आना भी मुश्किल हो जाता है और कफ सीरप पीने से नींद भी ज्यादा आने लगती है। ऐसे में दादी-नानी के अजमाए नुस्खे आपके काम आ सकते हैं।

1. शहद

एक चम्मच शहद दिन में 3 बार लें, इससे बहुत राहत मिलेगी।

2. काली मिर्च

पिसी काली मिर्च को घी में भूनकर खाने से खांसी जल्दी ठीक हो जाती है।

3. प्याज

आधा चम्मच प्याज के रस में 1 छोटा चम्मच शहद मिलाकर दिन में दो बार लें।

4. हल्दी

आधा कप उबले पानी में चुटकी भर हल्दी,पिसी काली मिर्च डालकर चाय की तरह पीएं।

5. नींबू

नींबू के रस में शहद मिक्स करके दिन में चार बार सेवन करने से खराश दूर होती है।

अगर आपका बच्चा भी करता है ज्यादा गुस्सा तो यूं करें उसे Treat

जब बच्चा बात-बात पर चिड़ने या गुस्सा करने लगता है तो पेरेंट्स चिंता में पड़ जाते हैं। उनकी सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि उन्हें समझ ही नहीं आता कि आखिर बच्चा ऐसा क्यों कर रहा हैं। बिना बच्चे के चिड़चड़ेपन या गुस्से का कारण जाने बिना पेरेंट्स उन्हें डांटने या मारने लगते हैं। इससे बच्चा और भी जिद्दी हो जाता है और गलत दिशा में पड़ जाता हैं। अगर आप नहीं चाहते कि आपका बच्चा गलत राह पर जाए तो उसकी इन हरकतों के पीछे का कारण जाने न कि उसे डांट या फटकार लगाएं।

चलिए जानते है वह कौन सा कारण है जो आपके हंसते खेलते बच्चों को एकदम से चिड़चिड़ा या गुस्सैल बना देता है।

बच्चे का अकेलापन

भागदौड़भरी जिदंगी में माता-पिता दोनों वर्किंग होते है जिस वजह से वह अपने बच्चों को टाइम नहीं दे पाते। यहीं वजह है कि बच्चा खुद को अकेला महसूस करने लगता है और उसका व्यवहार चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाते हैं। अक्सर पेरेंट्स इसे बच्चे की नादानी या बदतमीजी समझकर अनदेखा कर देते है जो सबसे बड़ी गलती हैं। माता-पिता को बच्चे की गलत आदतों की अनदेखा नहीं करना चाहिए बल्कि उसके कारणों को पहचानने की कोशिश करें। दरअसल, बच्चा खेलकूद न कर पाने या स्कूल में कोई विषय न समझ या माता-पिता की अटेंशन न मिल पाने के कारण व्यवहार चिड़चिड़ा या गुस्सैल बन जाता है।

दूसरों के सामने डांटें नहीं, समझाएं

अक्सर पेरेंट्स बच्चे के इस हाइपरएक्टिव स्वभाव को बदतमीजी मानकर उसे रिश्तेदारों या दोस्तों के सामने डांटते-फटकारते हैं जिसका असर बच्चे की मानसिकता और आत्मविश्वास पर पड़ता है। पेरेंट्स को चाहिए कि बच्चे के आसपास ऐसा माहौल बनाएं जिससे बच्चा अपनी हाइपरएक्टिविटी से बाहर निकल सकें।

- बच्चों को दूसरों के सामने मारने के बजाए प्यार से समझाएं।
- अपने गुस्से व चिंताओं पर नियंत्रण रखें।
- खुद को चिंतामुक्त रखने के लिए फैमिली के साथ बाहर घूमने जाएं।
- बच्चे को कभी अपनी चिंताओं का दोष न दें।
- घर में सकारात्मक वातावरण बनाने की कोशिश करें।
- बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम स्पेंड करें।
- फैमिली के साथ हर हफ्ते मूवी प्लान करें।
- स्कूल या फ्रैंड्स से जुड़ी बातें बच्चों से पूछें।

हाइपरएक्टिव बच्चे के साथ ऐसा हो व्यवहार

1. हाइपरएक्टिव बच्चों को खेलकूद और बाहरी एक्टिविटीज में व्यस्त रखें। बच्चों को डांस या आर्ट क्लास ज्वाइन करवाएं। बच्चों को आउटडोर गेम्स खेलने के लिए भेजे। इससे बच्चे का मन शांत व खुश रहेगा और उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. हाइपरएक्टिव बच्चे हर गतिविधि पर नजर रखें। उसके स्कूल टीचर से रोज मिले और उसके व्यवहार से जुड़ी जानकारी लेते रहें। टीचर से रिक्वेस्ट करें कि बच्चे को आगे वाली सीट पर बैठाएं।
3. इस तरह के बच्चों को किसी न किसी खेल या दूसरों बच्चों के साथ मिलकर रहने दें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उज्वला विश्वकर्मा
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(महिला अध्यक्ष)

सुहैल असरार खान
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष)

रुपल आर. सिंह
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(उत्तर पश्चिम जिला अध्यक्ष)

अब्दुल समद खान
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(मुंब्रा अध्यक्ष)

पठान अमरजान आजम खान
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(बीड जिला अध्यक्ष)

सलमान पटेल
अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
(खडका मिल्लत नगर, अध्यक्ष)

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति
हमारी कलम हमारी आवाज, जय हिन्द स्वराज

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती

आप सभी को

रमज़ान

के पाक महीने की दिली

मुबारकबाद !

पत्रकार संगठन
MAHARASHTRA
INDIA

Ramadan mubarak

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)
(राष्ट्रीय अध्यक्ष 'अल्पसंख्यक' - गांधी विचार मंच)
(महाराष्ट्र मीडिया प्रभारी - नारी शक्ति एक नई पहल फाउंडेशन)